DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 March, 2024

ग्रे जोन वारफेयर/युद्ध

संदर्भ: *विगत 24 फरवरी को 2024 रायसीना डायलॉग के अंतिम दिन, भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने टिप्पणी की कि "ग्रे ज़ोन वारफेयर या युद्ध" अनौपचारिक युद्ध के नवीनतम रूप का प्रतिनिधित्व करता है।*

ग्रे जोन वारफेयर क्या है?

- ग्रे ज़ोन वारफेयर अंतरराष्ट्रीय संबंधों में प्रत्यक्ष संघर्ष और शांति के बीच एक मध्य मार्ग को संदर्भित करता है।
- इसमें कई प्रकार की गतिविधियाँ शामिल हैं जो गुप्त या अप्रत्यक्ष होती हैं तथा विभिन्न प्रतिक्रियाओं के संदर्भ में इसे चुनौतीपूर्ण बनाती हैं।
- ग्रे ज़ोन गतिविधियों में आर्थिक कार्रवाइयां, प्रभाव संचालन, साइबर हमले, भाड़े के ऑपरेशन, हत्याएं, दुष्प्रचार अभियान इत्यादि शामिल होते हैं।

उत्पत्ति और विशेषताएँ:

- ग्रे ज़ोन वारफेयर की पृष्ठभूमि ऐतिहासिक रूप से शक्ति प्रतिस्पर्धा की एक विशेषता रही है।
- शीत युद्ध के युग में परमाणु-सशस्त्र राष्ट्रों के बीच सीधे संघर्ष बढ़ने के जोखिम के कारण ग्रे ज़ोन वारफेयर को बढ़ावा दिया गया था।
- कई देश आक्रामकता या अस्पष्ट आरोप के माध्यम से अपने राष्ट्रीय उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए ग्रे जोन रणनीति का सहारा लेते हैं।

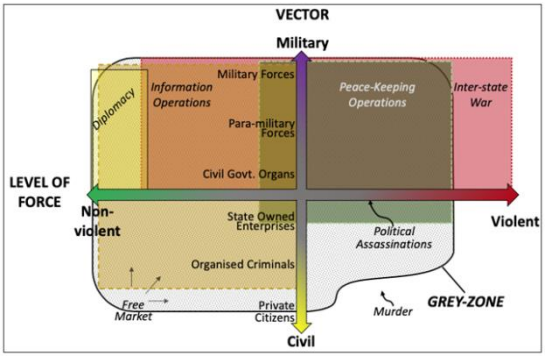

ग्रे जोन वारफेयर के उदाहरण:

- रूस और चीन की हालिया कार्रवाइयों को अक्सर ग्रे ज़ोन युद्ध के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जा सकता है।
- दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियाँ, जिसमें उसके क्षेत्रीय दावे और सैन्य उपस्थिति शामिल हैं, को ग्रे ज़ोन रणनीति के उदाहरण के रूप में देखा जाता है।
- ताइवान के पास चीनी सैन्य कार्रवाइयां, जैसे जलडमरूमध्य के ऊपर नियमित लड़ाकू उड़ानें, ग्रे ज़ोन रणनीतियों के उपयोग का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण हैं।
- इस समय अमेरिका भी इसी तरह की रणनीति को अपना रहा है, जिसमें आर्थिक प्रतिबंध, आयात शुल्क और समुद्री टोही आदि सभी शामिल हैं।

चुनौतियाँ और निहितार्थ:

- ग्रे ज़ोन वारफेयर खुले संघर्ष की चुनौतियाँ पेश करता है, जिसके लिए उचित प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है।
- ग्रे ज़ोन गतिविधियाँ कई आयामों में बढ़ सकती हैं और अनपेक्षित परिणामों को जन्म दे सकती हैं।
- इन युक्तियों का उद्देश्य ताकत दिखाना, विवादित दावों को सामान्य बनाना और तनाव बढ़ाने के लिए विरोधियों को उकसाना एवं संकट प्रबंधन को जटिल बनाना है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ:

- कारगिल समीक्षा समिति (1999) की रिपोर्ट का अध्ययन करने वाले मंत्रियों के एक समूह (जीओएम) द्वारा वर्ष 2001 में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के निर्माण की सिफारिश की गई थी।
- जीओएम की सिफारिशों के बाद, अंतिम सीडीएस के सचिवालय के रूप में काम करने के लिए वार्स 2002 में एकीकृत रक्षा स्टाफ की स्थापना की गई थी।
- वर्ष 2012 में, नरेश चंद्रा समिति ने सीडीएस पर चिंताओं को दूर करने के लिए एक अंतरिम उपाय के रूप में चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के स्थायी अध्यक्ष की नियुक्ति का प्रस्ताव रखा।
- सीडीएस का पद औपचारिक रूप से लेफ्टिनेंट जनरल डीबी शेकतकर के नेतृत्व वाली रक्षा विशेषज्ञों की एक समिति की सिफारिशों के आधार पर वर्ष 2019 में स्थापित किया गया था।
- जनरल बिपिन रावत 31 दिसंबर, 2019 को भारत के पहले सीडीएस बने।
- सीडीएस की प्राथमिक भूमिका भारतीय सेना की तीनों सेवा शाखाओं के बीच परिचालन तालमेल को बढ़ाना और अंतर-सेवा मतभेद को कम करना है।
- सीडीएस रक्षा मंत्रालय के अधीन नव निर्मित सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) के प्रमुख के रूप में भी कार्य करता है।
- रक्षा मंत्री के एकल-बिंदु सैन्य सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए, सीडीएस तीनों सेवाओं से जुड़े मामलों पर सलाह देता है, जबकि सेवा प्रमुख केवल अपनी संबंधित सेवाओं से संबंधित मुद्दों पर सलाह देते हैं।
- डीएमए के प्रमुख के रूप में, सीडीएस के पास चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के स्थायी अध्यक्ष के रूप में अंतर-सेवा निर्णयों को प्राथमिकता देने का अधिकार है।
- हालांकि सीडीएस तीनों प्रमुखों को निर्देश दे सकता है, लेकिन उसके पास किसी भी सशस्त्र बल पर कमांड अधिकार नहीं है।
- सीडीएस रक्षा विभाग (डीओडी) के अधीन सचिव का पद है और उसे राजस्व बजट की देखरेख करने का अधिकार है।
- इसके अतिरिक्त, सीडीएस परमाणु कमान प्राधिकरण (एनसीए) में एक सलाहकार की भी भूमिका निभाता है।

भारत में निर्मित पहला एएसटीडीएस टग (ASTDS Tug)

संदर्भ: *2 मार्च, 2024 को केंद्रीय MoPSW और आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने 'ओशन ग्रेस (Ocean Grace)' नामक 60 T बोलार्ड पुल टग और मेडिकल मोबाइल यूनिट (MMU) का उद्घाटन किया।*

ओशन ग्रेस के बारे में:

- ओशन ग्रेस MoPSW के तहत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा विकसित पहला 'मेक इन इंडिया' ASTDS टग है।
- यह प्रधानमंत्री मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित, इस टग में 60 टन का उल्लेखनीय बोलार्ड पुल शामिल है।

ग्रीन टग ट्रांजिशन कार्यक्रम:

- हरियाणा के गुरुग्राम में, भारत के पहले राष्ट्रीय ग्रीन पोर्ट और शिपिंग उत्कृष्टता केंद्र (NCoEGPS) का उद्घाटन किया गया।
- इस कार्यक्रम में ग्रीन टग्स ट्रांज़िशन प्रोग्राम (जीटीटीपी) का शुभारंभ भी हुआ, जिसका उद्देश्य वर्ष 2025 तक सभी प्रमुख बंदरगाहों में ग्रीन टग्स का संचालन करना है।
- एनसीओईजीपीएस जीटीटीपी के लिए नोडल इकाई के रूप में काम करेगा।
- भारत का लक्ष्य जीटीटीपी के लॉन्च से प्रेरित होकर 2030 तक 'ग्रीन शिप के लिए वैश्विक केंद्र' बनना है।
- ग्रीन हाइब्रिड टग्स ग्रीन हाइब्रिड प्रोपल्शन सिस्टम का उपयोग करेंगे और अंततः मेथनॉल, अमोनिया और हाइड्रोजन जैसे गैर-जीवाश्म ईंधन समाधान अपनाएंगे।
- इसके अलावा ग्रीन टग ट्रांजिशन कार्यक्रम का लक्ष्य 2030 तक सभी टगों में से कम से कम 50% को ग्रीन टग में परिवर्तित करना है।
- जेएनपीए, डीपीए, पीपीए और वीओसीपीए सहित बंदरगाह 2027 तक दो नए ग्रीन टग खरीदेंगे।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- इस समस्त उपायों का लक्ष्य वर्ष 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी को 2047 तक 70% तक लाना है।

➢ **समुद्री अमृत काल विज़न 2047:**

- इन पहलों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी वाले जहाजों का विकास और इलेक्ट्रिक वॉटर टैक्सियों, हाइब्रिड इलेक्ट्रिक रो-रो फेरी और हाइब्रिड एलएनजी इलेक्ट्रिक कार्गो वाहक की शुरूआत शामिल है।
- इसके अलावा प्रमुख बंदरगाहों पर हाइब्रिड टग, ग्रीन हाइड्रोजन और अमोनिया से चलने वाले टग की तैनाती की योजना बनाई गई है।

➢ **ओडिशा में सागरमाला कार्यक्रम:**

- सागरमाला कार्यक्रम के तहत अब तक 53 परियोजनाएं जिनकी कीमत लगभग रु. 54,500 करोड़ है; को क्रियान्वित किया जा रहा है, 21 परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं।
- तटीय जिलों के समग्र विकास पहल के तहत, मत्स्य पालन, कौशल विकास, पर्यटन और शहरी जल परिवहन पर ध्यान केंद्रित करते हुए नौ अन्य परियोजनाओं की पहचान की गई है।

➢ **कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर):**

- पारादीप बंदरगाह शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता, बिजली, खेल और संस्कृति सहित सीएसआर गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
- लगभग 48LPA लागत वाली मेडिकल मोबाइल यूनिट (MMU) का उद्घाटन वंचित समुदायों को सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए बंदरगाह की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

➢ **विस्तारित परियोजनाएँ:**

- 3,004.63 करोड़ रुपये की वेस्टर्न डॉक परियोजना का लक्ष्य अगले दो वर्षों में क्षमता को 300 MTPA से अधिक करना है।
- इसमें पारादीप बंदरगाह पर पीपीपी मोड के तहत पश्चिमी गोदी के विकास सहित आंतरिक बंदरगाह सुविधाओं को अनुकूलित करना भी शामिल है।

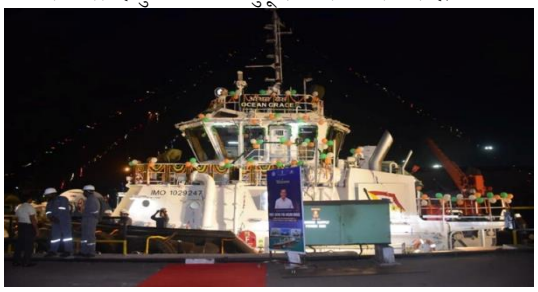

WTO का 13वाँ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

***संदर्भ**: डब्ल्यूटीओ का 13वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन, 2 मार्च, 2024 को संपन्न हुआ। यह भारत जैसे विकासशील देशों में किसानों के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग (पीएसएच) और घरेलू समर्थन को संबोधित करने में विफल रहा।*

➢ **सम्मेलन विवरण:**

- मूल रूप से अबू धाबी में 26-29 फरवरी के लिए निर्धारित सम्मेलन को एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया था।
- इस अवधि विस्तार का उद्देश्य कृषि और मत्स्य पालन सब्सिडी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विकसित और विकासशील देशों के बीच उत्पन्न होने वाले मतभेदों को कम करना है।
- इस अतिरिक्त दिवस विस्तार के बावजूद उत्पन्न गतिरोध अनसुलझा ही रहा।

➢ **सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग और खाद्य सुरक्षा:**

- भारत सहित अन्य 80 देश भोजन के सार्वजनिक भंडारण (पीएसएच) के लिए स्थायी समाधान चाहते हैं।
- सब्सिडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के साथ पीएसएच को विकसित दुनिया द्वारा व्यापार-विकृत करने वाले उपायों के रूप में देखा जाता है।
- भारत इस बात पर विशेष जोर देता है, कि निर्यातक देशों के व्यापारिक हितों पर खाद्य सुरक्षा और आजीविका को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

➢ **वार्ता प्रारूप और मांगें:**

- सम्मेलन से पहले भारत की मांगों सहित कृषि मुद्दों पर आधारित एक वार्ता प्रारूप को सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था।
- हालाँकि इस पर आम सहमति नहीं बन पाई, लेकिन इसे भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण और आवश्यक प्रयास माना गया।

➢ **परिणाम:**

- इस सम्मेलन में विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर गहन बातचीत हुई।
- यद्यपि कृषि जैसे कुछ विषयों पर प्रगति देखी गई, तथापि, यह व्यापक समझौता प्रभावहीन रहा।
- भारत के केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने स्थायी समाधानों पर भारत के रुख का उल्लेख करते हुए परिणामों पर संतोष व्यक्त किया।
- लंबी वार्ता के बावजूद, हानिकारक सब्सिडी सहित मत्स्य पालन के मुद्दों पर कोई आम सहमति नहीं बन पाई।

➢ **मत्स्य पालन सब्सिडी पर समझौता:**

- मत्स्य पालन सब्सिडी पर समझौते (एएफएस) का उद्देश्य अत्यधिक मछली पकड़ने में योगदान देने वाली सब्सिडी पर अंकुश लगाना है।
- इस संदर्भ में भारत और अन्य विकासशील देश अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक विकल्प की आवश्यकता को संरेखित करते हैं।
- मत्स्य पालन सब्सिडी को अनसुलझे मुद्दों के कारण अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।

➢ **मंत्रिस्तरीय निर्णय को अपनाना:**

- सम्मलेन में शामिल मंत्रियों ने विकासशील देशों और एलडीसी के लिए विशेष और विभेदक उपचार प्रावधानों की समीक्षा करने के लिए एक सामूहिक निर्णय को अपनाया।
- इस निर्णय स्वीकृति का उद्देश्य वैश्विक व्यापार में विकास और एकीकरण का समर्थन करते हुए इन प्रावधानों को अधिक सटीक, प्रभावी और परिचालनात्मक बनाना है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

विश्व वन्यजीव दिवस

हाल ही में, भारत के प्रधानमंत्री ने विश्व वन्यजीव दिवस पर वन्यजीव प्रेमियों का अभिवादन किया और उन सभी की सराहना की जो सतत कार्यों में सबसे आगे हैं और वन्यजीव संरक्षण प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं।

विश्व वन्यजीव दिवस के बारे में:

- विश्व वन्यजीव दिवस संयुक्त राष्ट्र का एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है जो दुनिया के सभी जंगली जानवरों और पौधों के संरक्षण के लिए समर्पित है।
- हर साल 3 मार्च को, जैव विविधता के संरक्षण के लिए सतत प्रथाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पूरी दुनिया विश्व वन्यजीव दिवस मनाती है।
- यह दिन वन्यजीवों और उनके आवासों के बारे में जागरूकता को भी बढ़ावा देता है।
- विश्व वन्यजीव दिवस 2024 का विषय **"लोगों और ग्रह को जोड़ना: वन्यजीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज" (Connecting People and Planet: Exploring Digital Innovation in Wildlife Conservation)** है।

- 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के लिए चुना गया था क्योंकि इसी दिन सीआईटीईएस (वन्य जीवों और वनस्पतियों के लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन) का गठन किया गया था।
- सीआईटीईएस 1973 में हस्ताक्षरित एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगली जानवरों और पौधों का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उनके अस्तित्व के लिए खतरा न बने।

दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान

हाल ही में, कश्मीरी हंगुल का एक जोड़ा श्रीनगर के बाहरी इलाके दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान में देखा गया।

दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर जिले में डल झील के पूर्वी किनारे पर स्थित है।
- "दाचीगाम" नाम का अनुवाद "दस गाँव" है, जो प्रथम विश्व युद्ध से पहले इसके गठन के दौरान स्थानांतरित किए गए दस गाँवों को संदर्भित करता है।
- यह 1910 से जम्मू-कश्मीर के महाराजा के अधीन एक संरक्षित क्षेत्र रहा है और 1981 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
- **वनस्पति:** इसमें विविध वनस्पतियाँ हैं जिनमें जंगली चेरी, सेब, नाशपाती, अखरोट, ओक, देवदार, सन्टी और अन्य पेड़ शामिल हैं।
- **जीव-जंतु:** यह विभिन्न लुप्तप्राय और कमजोर प्रजातियों जैसे हंगुल, एशियाई काला भालू, हिमालयी भूरा भालू, भारतीय तेंदुआ, हिमालयी ग्रे लंगूर और पक्षी प्रजातियों की एक विस्तृत श्रृंखला का आवास है।

हंगुल:

- हंगुल (सर्वस हंग्लू), जिसे कश्मीर स्टैग के नाम से भी जाना जाता है, मध्य एशियाई लाल हिरण की एक उप-प्रजाति है।
- 1947 के बाद से इनकी संख्या में तीव्र गिरावट देखी गई, शुरुआत में लगभग 2,000 देखे गए, जो 1968 तक घटकर 384 रह गए।
- 2015 तक, संख्या घटकर 183 रह गई, हालाँकि, हाल ही में लगातार वृद्धि हुई है, 2021 में 261 हंगुल का अनुमान है।
- प्रति 100 मादा हंगुल पर 19.2 नर हंगुल हैं "जो प्रति 100 मादा हंगुल पर 40-50 नर हंगुल के आदर्श अनुपात से बहुत कम है"।
- हंगुल, कश्मीर हिरण, को IUCN द्वारा गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है और CITES परिशिष्ट I के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

धारीदार मार्लिन

करंट बायोलॉजी में प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चलता है कि धारीदार मार्लिन दूसरों को घायल करने से बचने के लिए अपने हमलों का समन्वय कैसे करता है।

धारीदार मार्लिन के बारे में:

- धारीदार मार्लिन (टेट्रापटुरस ऑडैक्स) को समुद्र में सबसे तेज़ जानवरों में से एक और शीर्ष शिकारी के रूप में जाना जाता है।
- यह उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण महासागरों में पाया जाता है और 13.8 फीट लंबा और 490 पाउंड तक वजनी हो सकता है।
- इसका शरीर टारपीडो जैसा है, जिसका शीर्ष गहरा नीला या काला है और निचला भाग चांदी-सफेद है।
- समूहों में शिकार करते समय यह हमले की एक बारी-बारी शैली प्रदर्शित करता है, एक समय में शिकार मछली के समूहों को निशाना बनाता है।
- तीव्र रंग परिवर्तन इस समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं हमले के दौरान हमलावर मार्लिन चमकीला हो जाता है और बाद में अपने सामान्य रंग में लौट आता है।
- रंग परिवर्तन हमले की प्रेरणा का संकेत देने और शिकार को भ्रमित करने के दोहरे उद्देश्य को पूरा कर सकता है।
- इसे IUCN द्वारा "खतरे के निकट" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

सुर्खियों में व्यक्तित्व
सरोजिनी नायडू

सरोजिनी नायडू (13 फरवरी 1879 - 2 मार्च 1949)

- सरोजिनी नायडू एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, कवयित्री और राजनीतिज्ञ थीं। उनका जन्म हैदराबाद, तेलंगाना में एक बंगाली परिवार में हुआ था।
- उन्हें प्यार से कई उपनामों से जाना जाता था, जिनमें शामिल हैं "भारतीय कोकिला," "बुलबुल-ए-हिंद" और "द नाइटेंगेल ऑफ इंडिया"।

योगदान:

- सरोजिनी नायडू ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन और नमक सत्याग्रह सहित विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- 1931 में भारतीय-ब्रिटिश सहयोग के लिए गोलमेज सम्मेलन के अनिर्णायक दूसरे सत्र के लिए वह गांधीजी के साथ लंदन गईं।
- नायडू ने 1925 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) की अध्यक्ष के रूप में अध्यक्षता करने वाली पहली भारतीय महिला के रूप में इतिहास रचा।
- भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, वह संयुक्त प्रांत (वर्तमान उत्तर प्रदेश) की राज्यपाल के रूप में सेवा करते हुए, भारत में राज्यपाल का पद संभालने वाली पहली महिला बनीं।
- नायडू ने अंग्रेजी और उर्दू दोनों में रचनाएँ लिखीं, जिनमें "इन द बाज़ार्स ऑफ़ हैदराबाद" (1912) और "द गोल्डन थ्रेशोल्ड (1905)", "द बर्ड ऑफ़ टाइम (1912)" और "द ब्रोकन विंग (1912) जैसी उल्लेखनीय कविताएँ शामिल हैं।)"।
- नैतिक मूल्य: ईमानदारी, करुणा, साहस, नेतृत्व, आदि।

नैनटिवु द्वीप

हाल ही में, श्रीलंका सस्टेनेबल एनर्जी अथॉरिटी, श्रीलंका सरकार और भारतीय कंपनीयू-सोलर क्लीन एनर्जी सॉल्यूशं ने जाफना प्रायद्वीप के पास डेल्फ़्ट या नेडुनथीवु, नैनटिवु और अनालाइटिवु द्वीपों में "हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स" के निर्माण के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

नैनटिवु द्वीप (Nainativu Island) के बारे में:

- नैनटिवु द्वीप श्रीलंका के उत्तरी भाग में जाफना प्रायद्वीप के पास स्थित है।
- यह इस क्षेत्र के छोटे द्वीपों में से एक है और पाक जलडमरूमध्य में स्थित है, जो श्रीलंका को भारतीय मुख्य भूमि से अलग करता है।
- यह अपने धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, क्योंकि यह नागपूषणी अंबल कोविल का घर है, जो एक हिंदू मंदिर है जो देवी नागपूषणी (भुवनेश्वरी के नाम से भी जानी जाती है) को समर्पित है।
- यह द्वीप अपने पुरातात्विक स्थलों के लिए भी जाना जाता है, जिसमें प्राचीन बौद्ध स्तूपों के अवशेष और प्राचीन समय के खंडहर शामिल हैं।

सुर्खियों में स्थल

बलूचिस्तान

हाल ही में, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के उम्मीदवार सरफराज बलोच को अशांत बलूचिस्तान प्रांत के नए मुख्यमंत्री के रूप में निर्विरोध चुना गया।

बलूचिस्तान (राजधानी: क्वेटा)

अवस्थिति : बलूचिस्तान, पाकिस्तान का एक प्रांत है, जो देश के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है।

भौगोलिक सीमाएँ: बलूचिस्तान की सीमाएँ पश्चिम में ईरान, उत्तर में अफगानिस्तान और दक्षिण में अरब सागर से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- बलूचिस्तान में कई उल्लेखनीय पर्वतमालाएं हैं, जिनमें सुलेमान रेंज, कीरथर रेंज और टोबा ककड़ रेंज शामिल हैं।
- प्रांत की प्रमुख नदियों में झोब नदी, हिंगोल नदी और दश्त नदी शामिल हैं।
- बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों जैसे प्राकृतिक गैस, कोयला, तांबा, सोना और अन्य खनिजों में समृद्ध है।
- ग्वादर पोर्ट, जो बलूचिस्तान में स्थित है, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) के तहत एक प्रमुख परियोजना है और व्यापार एवं वाणिज्य के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में समाचारों में उल्लिखित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी कहाँ स्थित है? – **उज्जैन**
- हाल ही में खबरों में रहे ग्लोबल वेस्ट मैनेजमेंट आउटलुक 2024 को किस संगठन ने प्रकाशित किया? – **यूएनईपी**
- ब्रायन मुलरोनी, जिनका हाल ही में निधन हो गया, किस देश के पूर्व प्रधान मंत्री थे? – **कनाडा**
- कितने रेलवे स्टेशनों ने प्रतिष्ठित "ईट राइट स्टेशन" प्रमाणन सफलतापूर्वक हासिल किया है? – **150**
- मेलानोक्लामिस द्रौपदी, जो हाल ही में समाचारों में देखी गई, निम्नलिखित में से किस प्रजाति से संबंधित है? – **समुद्री स्लग**